तीन दिवसीय परिवार सौहार्द शिविर का दूसरा दिन

नशे की गिरफ्त से आदमी बचने का प्रयास करे : युवाचार्य महाश्रमण

लाडनूं, 31 मई।

तीन दिवसीय पारिवार सौहार्द शिविर के दूसरे दिन युवाचार्य महाश्रमण ने जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा में उपस्थित शिविर के संभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य के भीतर दो वृत्तियां है, एक काम और दूसरा क्रोध। ये वृत्तियां ही आदमी को अपराध की ओर ले जाती है।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि काम की वृत्ति सीमा का लंघन कर देती है तो परिवार में सौहार्द में कठिनाई पैदा हो सकती है। पारिवारिक सौहार्द के संदर्भ में नशे पर भी ध्यान देना अपेक्षित है कि परिवार में अगर नशा करने वाले लोग हैं तो भी पारिवारिक सामंजस्य और पारिवारिक स्वास्थ्य में कठिनाई पैदा हो सकती है। नशे की गिरफ्त से आदमी को बचने का प्रयास करना चाहिए।

युवाचार्य महाश्रमण ने विश्व तबांकू निषेध दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि आदमी सोचे कि यह विभिन्न दिवस मनाये जाते हैं। एक–एक दिवस के माध्यम से जनता को कुछ समझने का, कुछ उसको बताने का, पढने का मौका मिलता है जिससे उसके जीवन में बदलाव आ सकता ळें